Regarding illegal sand mining in Son River in Bihar-Laid

श्री सुदामा प्रसाद **(**आरा**) :** बिहार में बेरोकटोक अवैध बालू खनन एक गंभीर संकट बन गया है । विशेष रूप से सोन नदी के किनारों पर यह खनन एक पर्यावरणीय आपदा है । किनारे के गाँव और महत्वपूर्ण वनस्पति तथा पेड़-पौधे समाप्त हो रहे हैं । इस खनन पर आश्रित दैनिक मज़दूरी कमाने वाले श्रमिक, जिन्हें वर्तमान में मात्र ₹200 मिलता है, अपनी न्यूनतम मज़दूरी ₹500 करने की न्यायोचित मांग कर रहे हैं । लेकिन करोड़ों कमाने वाले ठेकेदारों ने इन मांगों को स्वीकार करने के बजाय, लगभग 22 प्रदर्शनकारी श्रमिकों को गिरफ्तार करवा दिया है । हम केंद्र और राज्य सरकार से मांग करते हैं कि गिरफ्तार किए गए सभी 22 श्रमिकों को तत्काल और बिना शर्त रिहा किया जाए । सोन और अन्य नदियों में हो रहे सभी अवैध बालू खनन पर तुरंत रोक लगाई जाए । जहाँ भी कानूनी खनन हो रहा है, वहाँ श्रमिकों के लिए न्यूनतम दैनिक मज़दूरी ₹500 तत्काल लागू की जाए । सरकार इन खनन श्रमिकों के साथ-साथ बुलडोजर कार्रवाई से प्रभावित सभी लोगों के लिए बेहतर वेतन और स्थायी रोज़गार वाली वैकल्पिक नौकरियों में व्यापक पुनर्वास सुनिश्चित करे । पहले पुनर्वास के संवैधानिक दायित्व को पूरा किए बिना की गई सभी बेदखलियों पर स्थायी रोक लगाने का निर्देश दिया जाए ।